फ़तह

हिंदी की मासिक पत्रिका

नवंबर (2022)

बाल दिवस जब जब आता है ,

नेहरू जी की याद दिलाता है।

बच्चों से वह करते थे प्यार,

हम सब करते हैं उनका सत्कार।

गोबिंददीप (5अ)

सब दिनों से न्यारा है,

14 नवंबर का दिन प्यारा है,

अधिकार है उस पर बच्चों का,

बाल दिवस हमारा है।

पृषा (3ब)

बच्चे मन के सच्चे,

दिल के होते अच्छे,

नेहरू जी ने समझी खूबियाँ अपार,

इसलिए तो 14 नवंबर को बाल दिवस मनाते हर बार।

संजीत (5 अ)

बाल दिवस होता बच्चों को प्यारा,

14 नवंबर का दिन सबसे न्यारा।

सब इस दिन का करते इंतजार,

बच्चों को हैं बाल दिवस से प्यार।

जाहनवी(7अ)

14 नवंबर मेरा मनपसंद दिन है,

बच्चों का सम्मान अधूरा इसके बिन है।

ज़ौहेन(4अ)

बार-बार देखता एक सपना जब भी मैं सोता,
काश! हर दिन बाल दिवस होता।

कार्तिक (2अ)

देखो बाल दिवस आया है,
बच्चों के लिए खुशियाँ लाया है।
सब मिलकर इसे मनाएँगे,
बाल अधिकारों की बात बताएँगे।

मायरा(2ब)

खबर ना होती कुछ सुबह की,
ना कोई शाम का ठिकाना है।
थक हार के आना स्कूल से
पर खेलने तो ज़रूर जाना है।
बचपन का होता है ऐसा ही ज़माना है।

दक्ष गुलाटी (7ब)

बालक हम भारत के,
बाल दिवस हमारा अधिकार है।
नेहरू जी ने दिया हमें यह दिन,
करते हम उनका सत्कार है।

खुशांत वर्मा(5अ)

बाल दिवस हर एक बच्चे के लिए होता खास है,
इस दिन बच्चों को अपनी महत्ता का होता अहसास है।

कीथ हुसैन(7अ)

बालक हैं हम भारत के,
भविष्य भारत माता का।
यही जन्म हुआ था नेहरू का जो बुद्धि और ज्ञान का था दाता।
उन्हीं के जन्मदिवस को आज बाल दिवस के रूप में जाना जाता।

ध्रुव जिंदल(7अ)